पाठ्य–विवरण

एम.ए. इतिहास

एम.ए.एच

(क्रेडिट = 80)

दूर शिक्षा निदेशालय

2019-21

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(महाराष्ट्र)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

दूर शिक्षा निदेशालय

एम.ए. इतिहास (एमएएच) पाठ्यक्रम

प्रस्तावित एम.ए. इतिहास पाठ्यक्रम (चार सेमेस्टर : कुल – 80 क्रेडिट)

प्रस्तावित पाठ्यक्रम संरचना

इस पाठ्यक्रम में कुल 80 क्रेडिट हैं। इस पाठ्यक्रम में शामिल सभी प्रश्नपत्र 4 क्रेडिट के हैं। इस पाठ्यक्रम की न्यूनतम अवधि दो वर्ष और अधिकतम चार वर्ष की है। अध्ययन के प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष में निम्न प्रश्नपत्र शामिल हैं।

प्रथम वर्ष (क्रेडिट=40)

प्रथम सेमेस्टर		
कोड	**विषय / प्रश्न पत्र का नाम**	**क्रेडिट**
एम.ए.एच.-01	इतिहास लेखन (Historiography)	4
एम.ए.एच.-02	प्राचीन भारतीय संस्कृति	4
एम.ए.एच.-03	प्राचीन भारत का इतिहास (भाग-1)	4
एम.ए.एच.-04	प्राचीन भारत का इतिहास (भाग-2)	4
एम.ए.एच.-05	इतिहास और लैंगिकता	4
	क्रेडिट	20

द्वितीय सेमेस्टर		
कोड	**विषय / प्रश्न पत्र का नाम**	**क्रेडिट**
एम.ए.एच.-06	मध्यकालीन भारत का इतिहास (भाग-1)	4
एम.ए.एच.-07	मध्यकालीन भारत का इतिहास (भाग-2)	4
एम.ए.एच.-08	आधुनिक विश्व का इतिहास (भाग-1)	4
एम.ए.एच.-09	आधुनिक विश्व का इतिहास (भाग-2)	4
एम.ए.एच.-10	भारतीय प्रवासन एवं डायस्पोरा: समुद्रपारीय भारतीय समुदाय	4
	क्रेडिट	20

द्वितीय वर्ष (क्रेडिट=40)

तृतीय सेमेस्टर		
कोड	**विषय / प्रश्न पत्र का नाम**	**क्रेडिट**
एम.ए.एच.-11	आधुनिक इतिहास लेखन एवं इतिहासकार	4
एम.ए.एच.-12	भारत में अंग्रेजों का आगमन	4
एम.ए.एच.-13	भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का उत्थान व विकास	4
एम.ए.एच.-14	स्वातंत्र्योत्तर भारत	4
एम.ए.एच.-15	परियोजना कार्य	4
	क्रेडिट	20

चतुर्थ सेमेस्टर		
कोड	**विषय / प्रश्न पत्र का नाम**	**क्रेडिट**
एम.ए.एच.-16	भारत में भाषायी व क्षेत्रीय आंदोलन	4
एम.ए.एच.-17	आधुनिक भारत – विचार एवं विचारक	4
एम.ए.एच.-18	भारतीय संविधान	4
एम.ए.एच.-19	भारत में पारिस्थितिकी व पर्यावरणीय इतिहास	4
एम.ए.एच.-20	लघु शोध प्रबंध	4
	क्रेडिट	20

एम.ए. (इतिहास)

सेमेस्टर-1

1. इतिहास लेखन (Historiography)

खंड -1 इतिहास व इतिहास लेखन

इकाई-1 इतिहास लेखन – परिभाषा
इकाई-2 इतिहास : स्वरूप, अध्ययन क्षेत्र
इकाई-3 इतिहास तथा इसके सहायक शास्त्र – पुरातत्व, पुरालेखशास्त्र, प्रतिमाशास्त्र और मुद्राशास्त्र
इकाई-4 इतिहास और इसका अन्य अनुशासनों से संबंध

खंड -2 इतिहास की शोध पद्धति

इकाई-1 इतिहास के स्त्रोत – प्राथमिक एवं द्वितीयक
इकाई-2 आंकड़ों का संग्रहण एवं चयन
इकाई-3 स्रोत परीक्षण – बाह्य एवं आंतरिक
इकाई-4 पाद् टिप्पणी एवं संदर्भ ग्रंथ सूची

खंड -3 इतिहास लेखन के विभिन्न सिद्धांत

इकाई-1 कारणवाद – कार्य कारण सिद्धांत
इकाई-2 इतिहास लेखन में वस्तुनिष्ठता एवं पूर्वाग्रह
इकाई-3 प्रत्यक्षवाद
इकाई-4 इतिहास का चक्रवादी सिद्धांत

खंड -4 इतिहास लेखन की पद्धति – प्राचीन और मध्यकालीन

इकाई-1 ग्रीक रोमन
इकाई-2 अरेबियन
इकाई-3 मध्य यूरोपियन
इकाई-4 भारतीय

2. प्राचीन भारतीय संस्कृति

खंड -1 सभ्यता एवं संस्कृति : परिभाषा एवं प्रारंभ

इकाई-1 सभ्यता एवं संस्कृति

इकाई-2 प्रागैतिहासिक संस्कृति

इकाई-3 हड़प्पा युगीन कला एवं स्थापत्य

इकाई-4 वैदिक कालीन धार्मिक स्थिति

खंड – 2 धर्म एवं संस्कृति

इकाई-1 सूत्रयुगीन धर्म एवं संस्कृति

इकाई-2 स्मृतियुगीन धर्म एवं संस्कृति

इकाई-3 छठी सदी ई. पू. में धार्मिक आंदोलन

इकाई-4 गुप्तकालीन धर्म एवं संस्कृति

खंड – 3 कला एवं स्थापत्य

इकाई-1 मौर्ययुगीन कला एवं स्थापत्य

इकाई-2 मौर्योत्तर काल : गांधार एवं मथुरा कला शैली

इकाई-3 गुप्तकालीन कला एवं स्थापत्य

इकाई-4 पूर्व मध्यकालीन कला एवं स्थापत्य

खंड – 4 संस्कृति का विकास

इकाई-1 प्राचीन भारत में शिक्षा

इकाई-2 प्राचीन भारत में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

इकाई-3 प्राचीन भारत में नारी

इकाई-4 बृहत्तर भारत में भारतीय संस्कृति का प्रसार

3. प्राचीन भारत का इतिहास (भाग-1)

खंड -1 सिन्धु घाटी की सभ्यता

इकाई-1 हड़प्पा और मोहनजोदड़ो

इकाई-2 नगर निर्माण योजना

इकाई-3 सामाजिक आर्थिक एवं धार्मिक जीवन

इकाई-4 पतन व सातत्य

खंड -2 वैदिक काल

इकाई-1 वैदिक साहित्य (वेद, ब्राह्मण, अरण्यक, उपनिषद)

इकाई-2 ऋगवैदिक काल (1500-1000 BC) - राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक जीवन

इकाई-3 उत्तर वैदिक काल (1000-600 BC) - राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक जीवन

इकाई-4 महाकाव्य काल – रामायण और महाभारत

खंड -3 छठी शताब्दी ई.पू. में धार्मिक आंदोलन

इकाई-1 छठी शताब्दी ईसा पूर्व में सामाजिक एवं आर्थिक परिस्थिति

इकाई-2 महावीर एवं जैन धर्म

इकाई-3 बुद्ध एवं बौद्ध धर्म

इकाई-4 भौतिकतावादी संप्रदाय – चार्वाक, आजीवक

खंड -4 महाजनपद से मौर्य साम्राज्य

इकाई-1 महाजनपद और मगध साम्राज्य

इकाई-2 मौर्य साम्राज्य

इकाई-3 अशोक और उसका धम्म

इकाई-4 मौर्य साम्राज्य का पतन

4. प्राचीन भारत का इतिहास (भाग-2)

खंड -1 मौर्योत्तर काल

इकाई-1 भारत पर बाह्य आक्रमण – शक, हूण, कुषाण

इकाई-2 शिल्प, व्यापार, नगर (200 BC- 200 AD)

इकाई-3 सुदूर दक्षिण का इतिहास –चोल,पांड्य, चेर

इकाई-4 संगम युग एवं साहित्य

खंड -2 गुप्तकाल

इकाई-1 राजनैतिक उत्थान

इकाई-2 सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन

इकाई-3 आर्थिक जीवन

इकाई-4 स्वर्णकाल : विभिन्न मत

खंड -3 गुप्तोत्तर काल (उत्तर भारत)

इकाई-1 राजनीतिक स्थिति

इकाई-2 सामाजिक और आर्थिक स्थिति

इकाई-3 सांस्कृतिक विकास

इकाई-4 राजपूतों की उत्पत्ति एवं उत्थान

खंड -4 गुप्तोत्तर काल (दक्षिण भारत)

इकाई-1 चालुक्य, पल्लव

इकाई-2 सामाजिक स्थिति

इकाई-3 आर्थिक स्थिति

इकाई-4 सांस्कृतिक विकास

5. इतिहास और लैंगिकता

खंड -1 स्त्री इतिहास : आवश्यकता और प्रारंभिक दृष्टिकोण

इकाई-1 इतिहास लेखन में महिलाएँ

इकाई-2 इतिहास में महिलाओं की दृश्यता एवं अदृश्यता

इकाई-3 19वीं सदी में महिला प्रश्नों का इतिहास

इकाई-4 इतिहास में स्त्री – प्राचीन, मध्य एवं आधुनिक काल

खंड -2 मध्यकालीन भारत और स्त्री

इकाई-1 इस्लाम और स्त्री

इकाई-2 हिंदू धर्म एवं स्त्री

इकाई-3 भक्ति आंदोलन एवं स्त्री

इकाई-4 विभिन्न धर्मों में स्त्री

खंड -3 आधुनिक काल और स्त्री

इकाई-1 सामाजिक सुधार आंदोलन और स्त्री मुद्दे

इकाई-2 राष्ट्रीय आंदोलन और स्त्री

इकाई-3 स्त्री शिक्षा

इकाई-4 विभाजन की त्रासदी और स्त्री

खंड-4 समकालीन इतिहास लेखन और स्त्री

इकाई-1 स्वतंत्रता उपरांत भारत में स्त्री

इकाई-2 स्वायत्त महिला आंदोलन

इकाई-3 वैश्वीकरण और स्त्री

इकाई-4 जाति, सांप्रदायिकता और स्त्री

सेमेस्टर- 2

6. मध्यकालीन भारत का इतिहास (भाग-1)

खंड -1 पूर्व मध्यकालीन भारत

इकाई-1 पूर्व मध्यकाल में उत्तर भारत की राजनीतिक स्थिति

इकाई-2 सामाजिक स्थिति

इकाई-2 धार्मिक स्थिति

इकाई-3 आर्थिक स्थिति

खंड -2 दक्षिण भारतीय साम्राज्य

इकाई-1 राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था

इकाई-2 चोल साम्राज्य (विशेष संदर्भ – स्थानीय प्रशासन)

इकाई-3 राष्ट्रकूट राजवंश

इकाई-4 विजयनगर और बहमनी साम्राज्य

खंड -3 उत्तर भारत में मुसलमानों का आगमन

इकाई-1 भारत पर अरबों का आक्रमण

इकाई-2 मुहम्मद गजनवी और मुहम्मद गोरी के आक्रमण

इकाई-3 राजपूतों की पराजय के कारण

इकाई-4 गुलाम वंश की स्थापना

खंड -4 सल्तनत काल

इकाई-1 खलजी, तुगलक और लोदी वंश

इकाई-2 सल्तनतकालीन सामाजिक, आर्थिक व्यवस्था व सांस्कृतिक जीवन

इकाई-3 भक्ति आंदोलन

इकाई-4 सूफी आंदोलन

7. मध्यकालीन भारत का इतिहास (भाग-2)

खंड -1 मुगल साम्राज्य की स्थापना

इकाई-1 बाबर के आगमन के पूर्व भारत की स्थिति

इकाई-2 बाबर : मुगल साम्राज्य की स्थापना

इकाई-3 हुमायूँ और शेरशाह-चौसा और कन्नौज की लड़ाई

इकाई-4 शेरशाह सूरी की प्रशासनिक व्यवस्था

खंड -2 मुगल साम्राज्य का सुदृढीकरण व विस्तार

इकाई-1 अकबर – राजपूत व धार्मिक नीति तथा मंसबदारी व्यवस्था

इकाई-2 जहाँगीर

इकाई-3 शाहजहाँ

इकाई-4 औरंगजेब – दक्षिण नीति एवं मुगल काल का पतन

खंड -3 मुगलों की प्रशासनिक, आर्थिक, राजनीतिक व सामाजिक नीतियाँ

इकाई-1 मुगलों की प्रशासनिक व राजनैतिक व्यवस्था

इकाई-2 आर्थिक स्थिति

इकाई-3 स्थापत्य और कला

इकाई-4 साहित्य व सांस्कृतिक विकास

खंड -4 मराठा साम्राज्य का उदय व विस्तार

इकाई-1 मराठा शक्ति का उत्कर्ष

इकाई-2 शिवाजी

इकाई-3 मुगलों के साथ मराठों का संबंध

इकाई-4 पेशवा का उदय व मराठा शक्ति का विस्तार

8. आधुनिक विश्व का इतिहास (भाग-1)

खंड -1भौगोलिक खोज से औद्योगिक क्रांति

इकाई-1 भौगोलिक खोज एवं पुनर्जागरण

इकाई-2 यूरोप में औद्योगिक क्रांति

इकाई-3 यूरोप में धर्म सुधार और वाणिज्यवाद का विकास

इकाई-4 वैज्ञानिक दृष्टिकोण का उदय: प्रबोधन का युग

खंड -2 फ्रांसीसी क्रांति

इकाई-1 पुरानी शासन व्यवस्था- राजनीतिक, आर्थिक व सामाजिक स्थिति

इकाई-2 फ्रांस की राज्य क्रांति एवं क्रांति का स्वरूप

इकाई-3 दार्शनिकों की भूमिका

इकाई-4 नेपोलियन का उदय व पतन

खंड -3 राष्ट्रीय राज्यों का उदय

इकाई-1 इटली का एकीकरण

इकाई-2 जर्मनी का एकीकरण

इकाई-3 विस्मार्क – विदेश नीति

इकाई-4 वियना कांग्रेस, मेटरनिख व्यवस्था

खंड-4 यूरोप से इतर अन्य देशों में क्रांति एवं राष्ट्रवाद

इकाई-1 अमेरिका का स्वतंत्रता संग्राम

इकाई-2 आधुनिक जापान का उदय

इकाई-3 रूसी क्रांति

इकाई-4 रूस में नई आर्थिक नीति

9. आधुनिक विश्व का इतिहास (भाग-2)

खंड -1 प्रथम विश्वयुद्ध

इकाई-1 प्रथम विश्वयुद्ध के कारण एवं परिणाम

इकाई-2 वर्साय की संधि

इकाई-3 लीग ऑफ नेशन की स्थापना व कार्य

इकाई-4 वाशिंगटन सम्मेलन – (1921-42)

खंड -2 समाजवाद के वैश्विक उभार के प्रति प्रतिक्रिया- नाजीवाद व फासीवाद

इकाई-1 जर्मनी में नाजीवाद

इकाई-2 इटली में फासीवाद

इकाई-3 जापान में सैन्यवाद (1931-45)

इकाई-4 दो विश्व युद्धों के बीच निरस्त्रीकरण की समस्या

खंड -3 द्वितीय विश्वयुद्ध

इकाई-1 द्वितीय विश्वयुद्ध के कारण एवं परिणाम

इकाई-2 संयुक्त राष्ट्र संघ

इकाई-3 शीत युद्ध

इकाई-4 सोवियत संघ का निर्माण एवं विघटन

खंड-4 आधुनिक एशिया की राजनीतिक व्यवस्था

इकाई-1 चीन में राष्ट्रवाद

इकाई-2 चीन में साम्यवादी क्रांति

इकाई-3 एशिया में विउपनिवेशीकरण

इकाई-4 अरब-इजराइल संबंध

10. भारतीय प्रवासन एवं डायस्पोरा: समुद्रपारीय भारतीय समुदाय

खंड -1 भारतीय प्रवासन के चरण एवं स्वरूप

इकाई-1 प्राचीन एवं मध्यकाल

इकाई-2 आधुनिक/ औपनिवेशिक काल

इकाई-3 उत्तर औपनिवेशिक काल (1950 से 1980)

इकाई-4 उत्तर औपनिवेशिक काल (वैश्वीकरण के दौर – 1990 के बाद)

खंड -2 समुद्रपारीय भारतीय डायस्पोरा समुदाय

इकाई-1 हिन्द महासागर: श्रीलंका

इकाई-2 प्रशांत क्षेत्र- न्यूजीलैंड

इकाई-3 कैरेबियन क्षेत्र: गुयाना, सूरीनाम

इकाई-4 उत्तरी अमरीका, यूनाइटेड किंगडम

खंड -3 भारतीय डायस्पोरा का पहचान के लिए संघर्ष

इकाई-1 महात्मा गांधी का समुद्रपारीय भारतीयों के मानवाधिकार के लिए संघर्ष में योगदान

इकाई-2 दक्षिण अफ्रीका

इकाई-3 मॉरीशस

इकाई-4 फिजी

खंड-4 भारतीय डायस्पोरा के प्रति भारतीय राज्य की नीति: इतिहास व वर्तमान

इकाई-1 स्वतंत्रतापूर्व

इकाई-2 स्वतंत्रता के आरंभिक दशक

इकाई-3 वैश्वीकृत भारत

इकाई-4 प्रवासी भारतीय कार्य मंत्रालय और भारतीय डायस्पोरा

सेमेस्टर- 3

11. आधुनिक इतिहास लेखन एवं इतिहासकार

खंड -1 इतिहास लेखन की परंम्परा

इकाई-1 प्राच्यवादी – 1) विलियम जोन्स 2) मैक्स मूलर
इकाई-2 साम्राज्यवादी – 1) जेम्स मिल 2) माउंटस्टुअर्ट एलिफंस्टन
इकाई-3 राष्ट्रवादी – 1) काशी प्रसाद जायसवाल 2) ताराचन्द
इकाई-4 मार्क्सवादी – 1) दामोदर धर्मानंद कोसंबी 2) राम शरण शर्मा

खंड -2 इतिहास लेखन की आधुनिक परंपरा

इकाई-1 सबाल्टर्न – 1) रंजीत गुहा 2) ज्ञान पाण्डे एवं शाहिद अमीन
इकाई-2 एनालेस – 1) एरिक हॉब्सवॉम 2) मार्क ब्लोख
इकाई-3 उत्तर आधुनिक – जीन लियोटार्ड 2) फ्रेडरिक जेमसन
इकाई-4 मौखिक इतिहास – डोनाल्ड ए. रिचि 2) वेलेरी रेले यो

खंड -3 पाश्चात्य इतिहासकार

इकाई-1 एडवर्ड हेल्लेट 'टेड' कार
इकाई-2 लियोपोल्ड वॉन रेंके
इकाई-3 रॉबिन जार्ज कोलिंगउड
इकाई-4 एडवर्ड गिबन

खंड -4 भारतीय इतिहासकार

इकाई-1 रमेशचन्द्र मजूमदार
इकाई-2 यदुनाथ सरकार
इकाई-3 इरफान हबीब
इकाई-4 रोमिला थापर

12. भारत में अंग्रेजों का आगमन

खंड -1 मुगल साम्राज्य का पतन और देशी राज्य

इकाई-1 मुगल साम्राज्य का पतन - उत्तर मुगलकालीन शासक

इकाई-2 देशी राज्यों का उदय-बंगाल, हैदराबाद, मैसूर, अवध व पंजाब,

इकाई-3 कर्नाटक-आंग्ल – फ्रेंच संघर्ष

इकाई-4 ईस्ट इंडिया कंपनी एवं बंगाल के नवाब (पलासी से बक्सर)

खंड -2 अंग्रेजी राज्य का विस्तार

इकाई-1 आंग्ल – मराठा संघर्ष

इकाई-2 ईस्ट इंडिया कंपनी का सुदृढ़ीकरण (दीवानी, द्वैध शासन प्रणाली, रेगूलेटिंग एक्ट, पिट्स इंडिया एक्ट)

इकाई-3 भू राजस्व प्रणाली (जमींदारी, रैयतवारी व महलवारी बंदोबस्त)

इकाई-4 ब्रिटिश साम्राज्य का विस्तार – सहायक संधि और हड़प नीति

खंड -3 भारत में ब्रिटिश विरोधी आंदोलन एवं राष्ट्रवाद का उदय

इकाई-1 ब्रिटिश विरोधी जनआंदोलनों – नागरिक विद्रोह, आदिवासी

इकाई-2 1857 का विद्रोह – कारण एवं परिणाम

इकाई-3 1857 का विद्रोह – स्वरूप

इकाई-4 भारत में राष्ट्रवाद का उदय

खंड-4 कंपनी की प्रशासनिक नीतियाँ

इकाई-1 ब्रिटिश भारत में अकाल एवं अकाल नीतियाँ

इकाई-2 नागरिक व पुलिस व्यवस्था

इकाई-3 शिक्षा नीति

इकाई-14 प्रेस का उदय व प्रेस नीति

13. भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का उत्थान व विकास

खंड -1 भारत में धार्मिक एवं सामाजिक सुधार आंदोलन और पुनर्जागरण

इकाई-1 राजा राम मोहन राय एवं ब्रह्म समाज

इकाई-2 दयानंद सरस्वती एवं आर्य समाज

इकाई-3 रामकृष्ण मिशन व विवेकानंद

इकाई-4 मुसलमान व पारसी समुदाय में सुधार आंदोलन

खंड -2 राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम

इकाई-1 भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस एवं उसके चरण (नरम दल व गरमदल)

इकाई-2 बंगाल विभाजन एवं स्वदेशी आंदोलन

इकाई-3 क्रांतिकारी आंदोलन का विकास

इकाई-4 सांप्रदायिकता का उदय एवं विकास

खंड -3 गांधी युग

इकाई-1 महात्मा गांधी : जीवन एवं उपस्थिति

इकाई-2 भारत में महात्मा गांधी के सत्याग्रह आंदोलन –
असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन
एवं भारत छोड़ो आंदोलन

इकाई-3 महात्मा गांधी एवं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस

इकाई-4 महात्मा गांधी के रचनात्मक कार्य और उसके अंतर्विरोध

खंड -4 राष्ट्रीय आंदोलन का अंतिम चरण और स्वतंत्रता प्राप्ति

इकाई-1 क्रिप्स मिशन प्लान

इकाई-2 केबिनेट मिशन प्लान

इकाई-3 माउंटबेटन प्लान और भारत विभाजन

इकाई-4 भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम

14. स्वातंत्र्योत्तर भारत

खंड -1 नेहरू युग

इकाई-1 आधुनिक भारत की संकल्पना और नेहरू

इकाई-2 पंचवर्षीय योजना

इकाई-3 नेहरू की विदेश नीति (गुटनिरपेक्ष आंदोलन, पंचशील)

इकाई-4 धर्मनिरपेक्षता, समाजवाद

खंड -2 नागरिक असंतोष

इकाई-1 किसान आंदोलन – तेलंगाना एवं तेभागा आंदोलन

इकाई-2 नक्सलवाड़ी एवं जनजातीय आंदोलन

इकाई-3 भाषाई असंतोष एवं राज्यों का पुनर्गठन

इकाई-4 श्रम सुधार एवं मजदूर आंदोलन

खंड -3 व्यवस्था विरोधी आंदोलन

इकाई-1 विनोबा भावे और भूदान आंदोलन

इकाई-2 लोहिया और समाजवाद

इकाई-3 आपात काल और संपूर्ण क्रांति

इकाई-4 पिछड़ी जाति का आंदोलन

खंड -4 भारत में वैश्वीकरण और उसका प्रभाव

इकाई-1 वैश्वीकरण और आर्थिक उदारीकरण

इकाई-2 वैश्विक राजनैतिक संरचना और भारत

इकाई-3 तकनीक और प्रगति: बदलते मानक व प्रारूप

इकाई-4 वैश्वीकरण का सामाजिक प्रभाव

15. परियोजना कार्य

अब तक प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय सेमेस्टर में विद्यार्थियों द्वारा पढ़े गए विभिन्न प्रश्नपत्रों में से किसी एक पर परियोजना कार्य के रूप में लगभग 40 पृष्ठों में हस्तलिखित विनिबंध तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा से पूर्व दूर शिक्षा निदेशालय में प्रस्तुत करना अनिवार्य है।

सेमेस्टर-4

16. भारत में भाषायी व क्षेत्रीय आंदोलन

खंड -1 भाषाई आंदोलन

इकाई-1 भाषा आयोग

इकाई-2 पहले भाषाई राज्य की स्थापना- आंध्र प्रदेश- तेलगू आंदोलन

इकाई-3 महाराष्ट्र व गुजरात का विभाजन

इकाई-4 हरियाणा व पंजाब

खंड -2 भारत में अलगाववादी आंदोलन

इकाई-1 वैचारिक पृष्ठभूमी

इकाई-2 काश्मीर

इकाई-3 पंजाब

इकाई-4 उत्तरपूर्व

खंड -3 नये राज्यों का निर्माण

इकाई-1 झारखंड

इकाई-2 उत्तरांचल

इकाई-3 छत्तीसगढ़

इकाई-4 तेलंगाना

खंड-4 नव-सामाजिक आंदोलन

इकाई-1 स्त्री विमर्श

इकाई-2 दलित विमर्श

इकाई-3 पर्यावरणवादी आंदोलन

इकाई-4 वर्ल्ड सोशल फोरम – (समलैंगिक, थर्ड जेंडर, बी. टी. कॉटन) आंदोलन

सेमेस्टर- 4

17. आधुनिक भारत – विचार एवं विचारक

खंड -1 सांस्कृतिक राष्ट्रवाद

इकाई-1 सांस्कृतिक राष्ट्रवाद : तात्पर्य एवं व्याख्या

इकाई-2 बाल गंगाधर तिलक

इकाई-3 अरविंद घोष

इकाई-4 विनायक दामोदर सावरकर

खंड -2 आर्थिक राष्ट्रवाद

इकाई-1 आर्थिक राष्ट्रवाद : तात्पर्य एवं व्याख्या

इकाई-2 दादाभाई नौरोजी

इकाई-3 रमेश चन्द्र दत्त

इकाई-4 रजनी पाम दत्त

खंड -3 आधुनिक राष्ट्रवाद

इकाई-1 आधुनिक राष्ट्रवाद : तात्पर्य एवं व्याख्या

इकाई-2 जवाहरलाल नेहरू

इकाई-3 बाबासाहेब भीमराव रामजी अंबेडकर

इकाई-4 एरोड वेंकट रामास्वामी नायकर

खंड -4 मानवतावादी राष्ट्रवाद

इकाई-1 मानवतावादी राष्ट्रवाद : तात्पर्य एवं व्याख्या

इकाई-2 रविन्द्रनाथ टैगोर

इकाई-3 विनोबा भावे

इकाई-4 मानवेंद्र नाथ राय

18. भारतीय संविधान

खंड -1 भारत का संवैधानिक विकास

इकाई-2 भारतीय शासन अधिनियम 1858

इकाई-2 इंडियन कांउसिल एक्ट 1861, 1892

इकाई-3 सांविधानिक सुधार- मार्ले-मिन्टो सुधार (1909), मोंटेग्यू- चेम्सफोर्ड सुधार (1919)

इकाई-4 1935 का भारत अधिनियम

खंड -2 भारतीय संविधान का निर्माण व स्वरूप

इकाई-1 संविधान सभा एवं संविधान का निर्माण

इकाई-2 भारतीय संविधान की विशेषताएँ

इकाई-3 राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति एवं राज्यपाल

इकाई-4 संसद, उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालय

खंड -3 भारतीय संविधान

इकाई-1 भारतीय संविधान के स्रोत

इकाई-2 मूल अधिकार व कर्तव्य

इकाई-3 नीति निर्देशक तत्व

इकाई-4 संघ- राज्य संबंध

खंड -4 भारतीय संविधान व संविधान संशोधन

इकाई-1 संविधान संशोधन की प्रक्रिया व उद्देश्य

इकाई-2 महत्वपूर्ण संविधान संशोधन-42 वां एवं 44 वां संशोधन

इकाई-3 पंचायती राज

इकाई-4 सूचना का अधिकार

19. भारत में पारिस्थितिकी व पर्यावरणीय इतिहास

खंड -1 पारिस्थितिकी व पर्यावरण: परिचय

इकाई-1 पारिस्थितिकी व पर्यावरणीय इतिहास की आवश्यकता

इकाई-2 प्रकृति और मनुष्य के बीच संबंध

इकाई-3 भारतीय भू-भाग

इकाई-4 अध्ययन क्षेत्र : पारिस्थितिकी व पर्यावरणीय

खंड -2 आरंभिक समाज और पर्यावरण

इकाई-1 प्राकृतिक संसाधन और मनुष्य समाज

इकाई-2 शिकारी अवस्था

इकाई-3 कृषि का उदय

इकाई-4 ऊर्जा, वन और वन उपज (संसाधन)

खंड -3 प्राचीन व मध्यकालीन भारत की पर्यावरणिक चेतना

इकाई-1 प्राचीन भारत और पर्यावरण

इकाई-2 मध्यकालीन भारत और पर्यावरण

इकाई-3 धार्मिक स्थापत्य और पर्यावरण

इकाई-4 आधुनिक भारत और पर्यावरणिक चेतना

खंड-4 उपनिवेशवाद और पर्यावरण

इकाई-1 पर्यावरण और उपनिवेशवाद

इकाई-2 जनजातीय समाज और पर्यावरण

इकाई-3 संसाधनों का दोहन और उसका पर्यावरणिक प्रभाव

इकाई-4 पर्यावरणिक असुंतलन और आर्थिक मूल्यांकन

20. लघु शोध प्रबंध

- विद्यार्थी को एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा के पूर्व एक लघु शोध प्रबंध प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
- यह लघु शोध प्रबंध हस्तलिखित न्यूनतम 60 पृष्ठों का होगा।
- लघु शोध प्रबंध का विषय विद्यार्थी संबंधित पाठ्यक्रम संयोजक से संपर्क कर निर्धारित करेंगे।
- विद्यार्थियों के लिए यह अनिवार्य होगा कि वे लघु शोध प्रबंध लेखन करते हुए शोध-प्रविधि का प्रयोग करें।